भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 2224

गुरूवार, 06 अगस्त, 2026/15 श्रावण, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

संधारणीय एवं उत्तरदायी पर्यटन

2224 श्री संजय सेठः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) संधारणीय तथा उत्तरदायी पर्यटन के अंतर्गत शामिल किए गए विषयगत क्षेत्रों, जैसे विरासत संरक्षण, सामुदायिक भागीदारी तथा पर्यावरणीय संधारणीयता का ब्यौरा क्या है तथा यह मंत्रालय के व्यापक लक्ष्यों के साथ किस प्रकार संरेखित हैं;

(ख) इस योजना के अंतर्गत परियोजनाओं के चयन हेतु मानदंडों, कार्यान्वयन की प्रक्रिया तथा इन परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में राज्य सरकारों एवं संघ राज्य क्षेत्रों की भूमिका का ब्यौरा क्या है; और

(ग) ऐसी परियोजनाओं का स्थानीय समुदायों, पारितंत्रों तथा पर्यटन क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव की निगरानी एवं मूल्यांकन के लिए विद्यमान तंत्रों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय ने गंतव्य और पर्यटक केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए, देश में स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के नाम से नया रूप दिया है। इस योजना में यह स्वीकार किया गया है कि स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन बेहद महत्वपूर्ण है और यह पर्यावरणीय, सामाजिक-सांस्कृतिक तथा आर्थिक स्थिरता सहित स्थायी पर्यटन के सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

यह योजना देश में पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने हेतु पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए, राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन को, योजना दिशानिर्देशों एवं सरकारी निर्देशों के अनुरूप, उनसे परियोजना प्रस्ताव की प्राप्ति तथा धन की उपलब्धता, पारस्परिक प्राथमिकता आदि के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

एसडी 2.0 योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं को राज्य और केंद्र स्तरीय संस्थागत ढांचे की निगरानी में राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र के प्रशासनों द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

स्वदेश दर्शन योजना राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र के प्रशासनों को स्थानीय समुदायों और हितधारकों के साथ उचित परामर्श करने, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण अनुकूल सामग्री का उपयोग करने, स्थायी पर्यटन संबंधी प्रथाओं को अपनाने, सुलभ अवसंरचना और सेवाओं का विकास करने, क्षमता निर्माण, स्थानीय उद्यमिता आदि पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय ने सतत पर्यटन के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है और स्थायी पर्यटन के विकास के लिए निम्नलिखित कार्यनीतिक स्तंभों की पहचान की गई है:

i. पर्यावरणीय स्थिरता का संवर्धन
ii. जैव विविधता का संरक्षण
iii. आर्थिक स्थिरता का संवर्धन
iv. सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिरता का संवर्धन
v. स्थायी पर्यटन के प्रमाणन की योजना
vi. आईईसी और क्षमता निर्माण अभिशासन

मंत्रालय ने देश भर में स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देने और पर्यटकों के साथ-साथ पर्यटन संबंधी व्यवसायों को स्थानीय संस्कृति, पर्यावरण और विरासत को संरक्षित करने के लिए सतत प्रथाओं को अपनाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए 'ट्रैवल फॉर लाइफ' पहल भी शुरू की है।

****